



न्यूज़ ब्रीफ

एशियन पैरा खेल : कस्तूरी ने पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम वर्ग में जीता रजत

आइवी–नागोया। भारत की कस्तूरी राजमणि ने आइवी–नागोया एशियाई पैरा खेल–2026 में महिला

पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने अपने तीन प्रयासों में से दो में सफलता

हासिल करते हुए 108 किलोग्राम वजन उठाया। कस्तूरी ने पहले प्रयास में 103 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। दूसरे प्रयास में वह 106 किलोग्राम वजन उठाने में असफल रहीं, लेकिन तीसरे प्रयास में 108 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम कर लिया। उज्बेकिस्तान की रुखशोना उकतामोवा ने 127 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उकतामोवा ने पहले प्रयास में 120 किग्रा, दूसरे प्रयास में 125 और तीसरे प्रयास में 127 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पर कब्जा किया। जबकि दक्षिण कोरिया की किम ह्यॉंगहुई ने 107 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने पहले प्रयास में 104, और दूसरे प्रयास में 107 किग्रा वजन उठाया, हालांकि 109 किलोग्राम वजन उठाने का तीसरा प्रयास किया, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सकीं। भारत खबर लिखे जाने तक पदक तालिका में पांचवें स्थान पर था।

एशियन पैरा खेल ; मनजीत ने भाला फेंक स्पर्धा के एफ-12/13 वर्ग में जीता रजत, व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फेंका 61.41 मीटर भाला



आइवी–नागोया। भारत के मनजीत ने आइवी–नागोया एशियाई पैरा खेल–2026 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के एफ–12/13 वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने 61.41 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं जापान के युता वाकोह ने 59.66 मीटर के साथ स्वर्ण और जापान के ही केंटा वाकोह ने 58.60 मीटर के साथ कांस्य जीता मनजीत ने अपना सर्वश्रेष्ठ श्रो दूसरे प्रयास में किया। संयुक्त एफ–12/13 वर्ग की इस स्पर्धा में पदकों का फैसला केवल भाला फेंकने की दूरी के आधार पर नहीं, बल्कि रजा अंक प्रणाली के आधार पर हुआ। जापान के युता वाकोह ने 9।4 रजा अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मनजीत 8।38 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के केंटा वाकोह ने 7।83 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत प्रतियोगिता की पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। खबर लिखे जाने तक भारत के खते में 12 स्वर्ण, 16 रजत और 18 कांस्य सहित कुल 46 पदक थे।

सवाल पूछने की क्षमता के कारण ही मिली सफलता : अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली। ओलंपिक में भारत की ओर से व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बिंद्रा ने कहा है कि कि उनकी सफलता का एक बड़ा कारण अधिक से अधिक सवाल पूछने की क्षमता थी। इसी से वह अपने खेल कोशल को बेहतरा

बनाने में सफल रहे। इसलिए बिंद्रा ने सभी उभरते हुए खिलाड़ियों से कहा है कि वह अधिक से अधिक सवाल पूछें। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे खिलाड़ियों की ही आवश्यकता है जो केवल बताये गये निर्देश पर चलने की जगह तय प्रक्रिया और ढांचे पर भी सवाल उठाये और बेहतर हासिल करने का प्रयास करें। सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बिंद्रा ने अपनी खेल यात्रा का एक अहम पहलू साझा किया। उन्होंने लिखा, मेरे पूरे खेल करियर में, मैंने अपने कोचों से सवाल पूछे, उनके सुझावों को चुनौती दी और अपनी उत्सुकता को कभी मरने नहीं दिया। मैंने ऐसा इसलिए नहीं किया कि मैं उनका अनादर करता था, बल्कि इसलिए कि मैं हर बात को समझकर सीखना चाहता था। उनकी यह सलाह युवा एथलीटों के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल निर्देशों का पालन करने के संज्ञाय सक्रिय रूप से अपनी समझ विकसित करें। उन्होंने आगे अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, मुझे यह बात चिंतित करती है कि जब खिलाड़ियों को लगता है कि वे खुलकर अपनी बात नहीं रख सकते, तो समय के साथ एक कहीं अधिक चिंताजनक स्थिति पैदा हो जाती है। वे धीरे–धीरे अपने मन में भी सवाल पूछना बंद कर देते हैं। बिंद्रा ने चेतावनी दी कि जब ऐसा होता है, तो हम खेल में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आवश्यक एक बहुत ही अहम चीज खो देते हैं। वह है सीखने की निरंतर प्रक्रिया और आलोचनात्मक सोच की क्षमता। यह स्थिति न केवल व्यक्तिगत खिलाड़ी के लिए हानिकारक है, बल्कि पूरे खेल समुदाय के विकास को भी बाधित करती है। बिंद्रा ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो अपने काम, अपने कोचों और उन्हें बताई गई प्रक्रिया पर सवाल उठा सकें।

नईदुनिया

पुजारा ने 21वीं सदी के पांच सर्वश्रेष्ठ नंबर–3 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची जारी की

नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट क्रिकेट में विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर लोकप्रिय रहे चेतेश्वर पुजारा ने 21वीं सदी के पांच सर्वश्रेष्ठ टेस्ट नंबर-3 बल्लेबाजों की अपनी सूची जारी की है। हैरानी की बात है कि पुजारा ने इस सूची में अपने को शामिल नहीं किया है जबकि नंबर तीन पर बल्लेबाज करे हुए 103 टेस्ट मैचों में उनके नाम 7।95 रन हैं।

पुजारा की इस विशिष्ट सूची में दक्षिण अफ्रीका के दो, जबकि श्रीलंका, आस्ट्रेलिया और भारत के एक–एक खिलाड़ी शामिल हैं। उन्होंने अपने पांच पसंदीदा नंबर–3 बल्लेबाजों के रूप में भारत के राहुल द्रविड़, आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के आलराउंडर जैक कैलिस और उनके हमवतन बल्लेबाज हाशिम अमला, तथा श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को चुना। जब उन्हें इन्हीं दिग्गजों में से शीर्ष तीन चुनने के लिए कहा गया, तो पुजारा ने भारतीय द वाल राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और हाशिम अमला का नाम लिया।

टेस्ट क्रिकेट में नंबर–3 पर सर्वाधिक रन बनाने के मामले में श्रीलंका के कुमार संगकारा (207 पारियों में 1।679 रन) शीर्ष पर हैं, जबकि भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ (2।9 पारियों में

10524 रन) दूसरे और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (196 पारियों में 9904 रन) तीसरे स्थान पर हैं। हाशिम अमला ने भी 174 पारियों में 7993 रन बनाए हैं। स्वयं चेतेश्वर पुजारा का नंबर–3 पर प्रदर्शन भी बेहतरीन रहा है। उन्होंने इस स्थान पर 155 पारियों में 44.4। की शानदार औसत से 6529 रन बनाए हैं और टेस्ट में बनाए गए अपने 19 शतकों में से 18 इसी पोजीशन पर जड़े हैं। ऑंकड़ों के अनुसार, नंबर–3 पर सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पुजारा छठे पायदान पर हैं, जो उनके आत्म–निराकरण के बावजूद उनकी काबिलियत को दर्शाता है। जैक कैलिस, जो पुजारा की सूची में शामिल हैं, ने नंबर–3 पर 78 पारियों में 3335 रन बनाए हैं, लेकिन उनकी आलराउंडर क्षमताओं ने उन्हें इस सूची में जगह दिलाई होगी। पुजारा का

यह निर्णय उनके विनम्र स्वभाव को दर्शाता है, लेकिन उनके आंकड़ और खेल शैली उन्हें इस विशिष्ट समूह में एक मजबूत दावेदार बनाती है। पुजारा को पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ की विकेट पर टिककर खेलने की खूबी के कारण उनके जैसे ही भरोसेमंद बल्लेबाज माना जाता हैवहीं जब उनसे 21वीं सदी के टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ नंबर–3 बल्लेबाजों में खुद के स्थान के बारे में पूछा गया, तो पुजारा ने स्पष्ट कहा कि वह शीर्ष 20 या शीर्ष 10 में तो खुद को शामिल करेंगे, लेकिन शीर्ष 5 में नहीं। उनका यह बयान क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के लिए आश्चर्यजनक था, क्योंकि नंबर–3 पर उनकी बल्लेबाजी तकनीक, अद्वितीय धैर्य और लंबी पारियां खेलने की क्षमता उन्हें इस स्थान के लिए आदर्श बनाती है।

एशियाई पैरा खेल : ऊंची कूद में भारत का दोहरा धमाल, प्रवीण ने स्वर्ण, बंटी ने जीता रजत

आइवी–नागोया

एशियाई पैरा खेल–2026 में भारतीय पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और बंटी ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। प्रवीण ने 2.05 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि बंटी ने 1.92 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

प्रवीण ने प्रतियोगिता को शुरुआत 1.92 मीटर की ऊंचाई से की और शानदार प्रदर्शन करते हुए 2.05 मीटर की ऊंचाई पार की। इस दौरान उन्होंने खेलों का नया रिकार्ड बनाया और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

बंटी ने 1.92 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 1.86 मीटर की ऊंचाई पार कर कांस्य पदक जीता।

प्रवीण ने इस प्रदर्शन के साथ एशियाई पैरा खेलों में अपना खिताब भी बचाया। उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 1.86 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। भारतीय खिलाड़ियों के स्वर्ण और रजत पदक जीतने से इस स्पर्धा में भारत को दोहरी सफलता मिली।

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के गोविंदगढ़ गांव के रहने वाले प्रवीण कुमार का जन्म 15 मई 2003 को हुआ था। निचले अंगों से संबंधित दिव्यांगता के साथ जन्मे प्रवीण ने कम उम्र में ही एथलेटिक्स में रुचि विकसित की और ऊंची कूद को अपना प्रमुख खेल बनाया। वह डा. सत्यपाल सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम केंद्र में अभ्यास करते हैं। वह लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना के अंतर्गत आने वाले खिलाड़ियों में भी शामिल हैं।

प्रवीण ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में 2.07 मीटर की छलांग के साथ रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद उन्होंने हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीता। पैरिस पैरालंपिक–2024 में उन्होंने 2.08 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वर्ष 2025 में नई दिल्ली में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 2.00 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता था।



एशियाई पैरा खेल : आयुष वर्मा ने गोला फेंक एफ-53 स्पर्धा में जीता स्वर्ण, दो पदकों के साथ अभिनयान का किया समानपन, इससे पहले भाला फेंक में जीत चुके हैं कांस्य

आइवी–नागोया। भारत के पैरा एथलीट आयुष वर्मा ने एशियाई पैरा खेल–2026 में पुरुषों की गोला फेंक एफ–53 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। उन्होंने अपने पांचवें प्रयास में 8.16 मीटर का सर्वश्रेष्ठ श्रो करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इस रवर्ण के साथ आयुष ने इन खेलों में अपना दूसरा पदक जीता। इससे पहले वह पुरुषों की भाला फेंक एफ–53/एफ–54 स्पर्धा में कांस्य पदक जीत चुके हैं। गोला फेंक स्पर्धा में ईरान के अलीरेजा हेमामी ने 8.09 मीटर के श्रो के साथ रजत पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान के मखाम्बेट सेरिक्कालिएव 6.81 मीटर के श्रो के साथ कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे। उत्तर प्रदेश के मेरठ के रहने वाले आयुष वर्मा का जन्म 15 जुलाई 1991 को हुआ था। वह एफ–53 वर्ग में बैठकर श्रो करने वाली स्पर्धाओं में हिस्सा लेते हैं। उन्होंने वर्ष 2020 में पैरा खेलों में प्रतिस्पर्धात्मक साफर शुरु किया और कोच रॉबिन कुमार के मार्गदर्शन में गोला फेंक का अभ्यास किया। आयुष की इस उपलब्धि से एशियाई पैरा खेलों में भारतीय दल के पदकों की संख्या में एक और स्वर्ण जुड़ गया। उनका प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पैरा एथलेटिक्स की मजबूती को भी दर्शाता है।



भोपाल में इंटर क्लब अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू, चार मुकाबले खेले गए



भोपाल। भोपाल डिविजन क्रिकेट एसोसिएशन (बीडीसीए) के इंटर क्लब अंडर–15 क्रिकेट टूर्नामेंट का बुधवार को चार मैदानों पर शुभारंभ हुआ। डीपीएस ग्राउंड पर क्रिककिंगडम ने सेज क्लब को छह विकेट से हराया। सेज की टीम 88 रन पर सिमट गई। रुद्र प्रताप सिंह ने 41 और आनंद अहिरवार ने 21 रन बनाए। जवाब में क्रिककिंगडम ने ओशनिक चौधरी के 48 और आहान पटेल के 30 रनों की मदद से लक्ष्य हासिल कर लिया। सेंचुरियन क्रिकेट ग्राउंड पर लेगसी क्रिकेट अकादमी ने रॉबिन मेनन अकादमी को आठ विकेट से हराया। रॉबिन मेनन की टीम 97 रन पर आउट हुई। लेगसी ने वीर प्रताप के नाबाद

44 रनों की मदद से लक्ष्य हासिल किया। ओल्ड फ्रेंड्स क्रिकेट ग्राउंड पर उड़ान क्रिकेट अकादमी ने अटल बिहारी क्रिकेट अकादमी को 140 रन से हराया। उड़ान ने 254 रन बनाए, जिसमें धैर्य ठाकुर के 74 रन शामिल रहे। जवाब में अटल बिहारी की टीम 114 रन ही बना सकी। कैप क्रिकेट ग्राउंड पर अकीरा क्रिकेट अकादमी ने नायर क्रिकेट अकादमी को 133 रन से हराया। अकीरा ने 235 रन बनाए, जबकि नायर की टीम 109 रन पर आउट हो गई। टूर्नामेंट की औपचारिक घोषणा से पहले बीडीसीए उपाध्यक्ष अविनाश पाठक ने डीपीएस ग्राउंड पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

भुवनेश्वर की वापसी से खुश कप्तान श्रेयस, बोले-वह टी20 में दबदबा बनाना जानते हैं

क्राइस्टर्चर्च
न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले जाने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की टीम में वापसी पर खुशी जताई है। अय्यर ने कहा कि भुवनेश्वर को इस प्रारूप में दबदबा बनाने का अच्छा अनुभव है और आईपीएल में उनका हलिया प्रदर्शन इसका प्रमाण है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जानी है। भुवनेश्वर लगभग चार साल बाद भारतीय टी20 टीम की जर्सी में गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं।

उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2022 में नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उस मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 35 रन दिए थे और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। मैच टाई रहा था, जबकि भारत ने श्रृंखला जीत ली थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर हाल ही में उनकी वापसी का इंतजार बारिश के कारण टल गया था।

इसके बाद भुवनेश्वर ने आईपीएल में रायल चैलेंजर्स बेंगलूरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 31 मैचों में 22.55 की औसत से 45 विकेट लिए और टीम को 2025 तथा 2026 में लगातार दो खिताब जीतने में मदद की। आईपीएल के पिछले सत्र में वह 16 मैचों में 17.89 की औसत और 7.95 की इकानमी दर से 28 विकेट लेकर दूसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अय्यर ने मैच से पहले आयोजित पत्रकारवार्ता में कहा, वह टीम में काफी अनुभव लेकर आते हैं, जिसकी हमें कभी महसूस हो रही थी। आईपीएल



के बाद हमारे पास कई नए गेंदबाज थे। उनके पिछले दो वर्षों के प्रदर्शन को देखें, तो उन्होंने आईपीएल खिताब जीते हैं। उन्हें इस प्रारूप पर दबदबा बनाने का बहुत अच्छा अंदाजा है।

अय्यर ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में जल्द ढलने को अहम बताया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाजों पर अधिक जोर दिखाई देता है और यहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजी के अनुकूल हैं। भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम जल्द से जल्द परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की कोशिश करेगी। अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों को पिच और परिस्थितियों का बेहतर अंदाजा मिलेगा, जिससे वे अपनी रणनीति बना सकेंगे। भुवनेश्वर ने भारत के लिए 87 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 23.10 की औसत से 90 विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में उनके नाम दो बार पांच विकेट और तीन बार चार विकेट लेने का प्रदर्शन दर्ज है। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे करने से केवल 10 विकेट दूर हैं। ऐसा

करने पर वह अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। भुवनेश्वर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में कुल 294 विकेट हैं। 36 वर्षीय तेज गेंदबाज के पास 300 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने की भी मौका है। वह ऐसा करने वाले भारत के 14वें गेंदबाज और नौवें तेज गेंदबाज बन सकते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नितिश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिय यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव।

गूच सहित इन खिलाड़ियों ने बनाये हैं एक ही टेस्ट में सबसे अधिक रन

लंदन

विश्व क्रिकेट इतिहास में टेस्ट क्रिकेट में कई खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। टेस्ट क्रिकेट में अब तब एक ही मैच में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड पांच बल्लेबाजों के नाम है। इस सूची में इंग्लैंड के ग्राहम गूच, आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा और भारत के शुभमन गिल भी शामिल हैं।

ग्राहम गूच : ऐतिहासिक लाईंस के मैदान पर 26 जुलाई 1990 को भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए इस मुकाबले में गूच ने भारतीय टीम के खिलाफ पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में में 123 रन बनाये। एक ही टेस्ट मैच में 333 और 123 रन बनाकर कुल 456 रन दर्ज कराने का ग्राहम गूच का यह विश्व रिकार्ड आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक मैच में सर्वाधिक रनों का रिकार्ड है, जिसे पिछले 36 सालों से कोई बल्लेबाज तोड़ नहीं पाया है।

शुभमन गिल : वहीं इस सूची में दूसरा स्थान भारत के युवा सितारे शुभमन गिल के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में शुभमन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 269 रन जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। मैच में कुल 430 रन (269 और 161) बनाकर शुभमन गिल ने टेस्ट इतिहास में एक मैच



में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

मार्क टेलर : तीसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं, टेलर ने 15 अक्टूबर 1998 को पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाज में भी रिकार्ड बनाया। पहली पारी में टेलर 334 रनों पर नाबाद रहे। इसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 92 रन जोड़े। मार्क टेलर का यह 426 रनों (नाबाद 334 और 92) का संयुक्त प्रयास टेस्ट क्रिकेट के सबसे यादगार मैच ऑंकड़ों में गिना जाता है।

कुमार संगकारा : श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 4 फरवरी 2014 को

चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 3।9 वहीं दूसरी पारी में 105 रन बनाये। संगकारा ने कुल 424 रनों के साथ ही सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

ब्रायन लारा : इस सूची में पांचवें स्थान पर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा रहे। उन्होंने 10 अप्रैल 2004 को सेंट जॉन्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही पारी में नाबाद 400 रन बनाकर इतिहास रचा था। हालांकि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी यह अकेली 400 रनों की पारी टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रूप में आज भी दर्ज है।